चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.9.26	12	3-6

हकृवि की शोधार्थी ने खेती, पशुपालन, लोक परंपराओं व त्योहारों को कढ़ाई के जरिए दिया नया रूप

कढ़ाईदार पैनलों से दीवारों पर सजेगी हरियाणवी संस्कृति, तीन डिजाइन संरक्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा की पारंपरिक संस्कृति, ग्रामीण जीवनशैली और लोक परंपराओं को अब कढ़ाईदार दीवार पैनल के जरिए घरों और अन्य स्थानों की सजावट में नई पहचान दी जा सकेगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा ने डॉ. पारुल गिल के मार्गदर्शन में कढ़ाईदार दीवार पैनल के तीन अलग-अलग डिजाइन तैयार किए हैं, जिन्हें डिजाइन संरक्षण प्रदान किया गया है।

इन पैनलों में हरियाणवी जीवन के उन पहलुओं को रचनात्मक रूप में उकेरा गया है, जो प्रदेश की पारंपरिक पहचान का हिस्सा रहे हैं। पैनल के डिजाइनों में घर के कामकाज, खेती, पशुपालन, नाच-गाना, रीति-रिवाज, त्योहार, पारंपरिक इमारतों एवं संरचनाओं, शिल्प, खेल तथा ग्रामीण जीवन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को चित्रों और पेंटिंग्स के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इनसे संबंधित सामग्री विभिन्न सेकेंडरी स्रोतों से एकत्रित कर उसे कढ़ाई के माध्यम से आकर्षक दीवार पैनल के रूप में विकसित किया गया। इस तरह ये पैनल केवल सजावटी वस्तु नहीं, बल्कि हरियाणा की लोक संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी बन सकते हैं।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि पर शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा और डॉ. पारुल गिल को बधाई दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. नीलम रोज और डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

पारंपरिक डिजाइनों से मिलेगा हस्तशिल्प को बढ़ावा

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि इन डिजाइनों में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली को नए रचनात्मक स्वरूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इनका उपयोग घरों, संस्थानों तथा अन्य स्थानों की आंतरिक सजावट में किया जा सकता है। साथ ही ऐसे पारंपरिक डिजाइनों को बाजार से जोड़कर हस्तशिल्प और कढ़ाई से जुड़े कार्यों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉल
अमर उजाला	28.1.26	5	1-3

कढ़ाईदार दीवार पैनल को मिला डिजाइन संरक्षण

मीनाक्षी शर्मा के तीन डिजाइनों में दिखेगी हरियाणवी संस्कृति की झलक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा की ओर से तैयार कढ़ाईदार दीवार पैनल के तीन डिजाइनों को डिजाइन संरक्षण प्रदान किया गया है।

इन डिजाइनों को उन्होंने डॉ. पारुल गिल के मार्गदर्शन में तैयार किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने मीनाक्षी शर्मा और डॉ. पारुल गिल को बधाई देते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यों और नए विचारों को बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षित करना अनुसंधान एवं नवाचार को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि इस शोध का उद्देश्य हरियाणा की पारंपरिक विरासत का संरक्षण कर ऐसे डिजाइनों और सांस्कृतिक तत्वों को नई पहचान दिलाना है, जिन्हें अब तक कम पहचान मिली है। विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को नवीन विचारों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. नीलम रोज और डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ छात्रा व अन्य अधिकारी। स्रोत : आयोजक

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि मीनाक्षी शर्मा ने दीवार पैनल के लिए हरियाणवी संस्कृति पर आधारित नए डिजाइन विकसित किए हैं। इनमें प्रदेश की परंपराओं, जीवनशैली और लोक संस्कृति को रचनात्मक रूप से दर्शाया गया है। घर के कामकाज, खेती, पशुपालन, नाच-गाना, रीति-रिवाज, त्योहार, पारंपरिक इमारतों, शिल्प, खेल और अन्य गतिविधियों से जुड़े चित्रों को विभिन्न स्रोतों से एकत्रित कर डिजाइनों में शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-9-26	1	6-8

एचएयू शोधार्थी का हुनर : तीन कढ़ाईदार दीवार पैनल के डिजाइनों को मिला पेटेंट

बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षण शोध को बढ़ावा देने की दिशा में कदम : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एचएयू के सामुदायिक विज्ञान कॉलेज की शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा द्वारा तैयार किए गए कढ़ाईदार दीवार पैनल के तीन अलग-अलग डिजाइनों को भारत सरकार ने 'डिजाइन संरक्षण' प्रदान किया है। मीनाक्षी शर्मा ने यह शोध कार्य डॉ. पारूल गिल के मार्गदर्शन में पूरा किया है। वीसी बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि रचनात्मक विचारों और कलात्मक कार्यों का बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षण शोध व नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम है।

हिसार | वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ छात्रा। इस मौके पर विवि के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. नीलम रोज तथा डॉ. योगेश जिंदल मौजूद रहे।

जानिए... क्यों खास हैं ये कढ़ाईदार दीवार पैनल

- **लोप हो रही विरासत को मिली नई पहचान:** इन डिजाइनों का मुख्य उद्देश्य हरियाणा की उस पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और कला को संजीवनी देना है, जिनकी बाजार में उपस्थिति सीमित हो चुकी थी।
- **कढ़ाई में रची-बसी हरियाणवी लाइफस्टाइल:** इन पैनलों में हरियाणा के ग्रामीण जीवन के विभिन्न रंगों को उकेरा गया है।
- **कला के विषय:** खेती- किसानी, पशुपालन, घर के कामकाज, लोक नृत्य, पारंपरिक इमारतें, तीज-त्योहार और लोक खेलकूद से जुड़े चित्रों को रिसर्च के जरिए जुटाकर कढ़ाई के रूप में ढला है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.9.26	5	6-8

हकृवि के कढ़ाईदार दीवार पैनल को मिला डिज़ाइन संरक्षण

हिसार, 25 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा किए जा रहे रचनात्मक एवं नवाचार आधारित कार्यों को बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा द्वारा तैयार किए गए कढ़ाईदार दीवार पैनल के तीन अलग-अलग डिजाइनों को डिजाइन संरक्षण प्रदान किया गया है। मीनाक्षी शर्मा ने डॉ. पारूल गिल के मार्गदर्शन में उपरोक्त डिजाइनों को तैयार किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मीनाक्षी शर्मा एवं पारुल गिल को बधाई देते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यों एवं नए विचारों को बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षित करना अनुसंधान एवं नवाचार को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य हरियाणा की पारंपरिक विरासत को बढ़ावा देना, उसका संरक्षण करना तथा ऐसे पारंपरिक डिजाइनों और सांस्कृतिक तत्वों को नई पहचान दिलाना था, जिन्हें अपेक्षाकृत कम पहचान मिली है और जिनकी बाजार में उपस्थिति भी सीमित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं को नवीन विचारों और उपयोगी रचनात्मक कार्यों के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि छात्रा मीनाक्षी शर्मा द्वारा दीवार पैनल के लिए अनोखे और नए हरियाणवी डिजाइनों को विकसित किया गया है। इन डिजाइनों में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और पारंपरिक जीवनशैली को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। हरियाणवी जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे घर के कामकाज, खेती, पशुपालन, नाच-गाना, रीति-रिवाज एवं त्योहार, पारंपरिक इमारतें एवं संरचनाएं, शिल्प, खेल तथा अन्य गतिविधियों से संबंधित चित्रों और पेंटिंग्स को विभिन्न सेकेंडरी स्रोतों से एकत्रित किया गया इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. नीलम रोज व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ छात्रा व अन्य अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.9.26	4	1-2

हकृवि के कढ़ाईदार दीवार पैनल को मिला डिजाइन संरक्षण

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ छात्रा व अन्य अधिकारी

हिसार, 25 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा किए जा रहे रचनात्मक एवं नवाचार आधारित कार्यों को बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की शोधार्थी मीनाक्षी शर्मा द्वारा तैयार किए गए कढ़ाईदार दीवार पैनल के तीन अलग-अलग डिजाइनों को डिजाइन संरक्षण प्रदान किया गया है। मीनाक्षी शर्मा ने डॉ. पारूल गिल के मार्गदर्शन में उपरोक्त डिजाइनों को तैयार किया है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए मीनाक्षी शर्मा एवं पारुल गिल को बधाई देते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यों एवं नए विचारों को बौद्धिक संपदा के रूप में संरक्षित करना अनुसंधान एवं नवाचार को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि छात्रा मीनाक्षी शर्मा द्वारा दीवार पैनल के लिए अनोखे और नए हरियाणवी डिजाइनों को विकसित किया गया है। इन डिजाइनों में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और पारंपरिक जीवनशैली को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।